

चकडोल स्त्री. (देश.) पालकी।

चकत पुं. (देश.) दाँत की पकड़, चकोटा।

चकती स्त्री. (देश.) 1. किसी चादर जैसी वस्तु का छोटा गोल टुकड़ा, चगड़े, कपड़े आदि से काटा हुआ गोल या चौकोर टुकड़ा, पट्टी, गोल या चौकोर धज्जी 2. किसी कपड़े, चमड़े, बरतन आदि के फटे या फूटे हुए स्थान पर दूसरे कपड़े, चमड़े या धातु इत्यादि का टंका हुआ या लगा हुआ टुकड़ा, थिगड़ी (पैबंद)।

चकत्ता पुं. (देश.) 1. शरीर के ऊपर बना या किसी कारण पड़ जाने वाला गोल दाग 2. खुजलाने आदि के कारण चमड़ी के ऊपर थोड़े से घेरे में पड़ी हुई चिपटी और सूजन से उभरी हुई चकती की तरह दिखाई देने वाला दाग, ददोरा 3. दाँतो से या द्वारा काटने का चिह्न, दाँत चुभने का निशान।

चकना अ.क्रि. (तद्.) 1. चकित होना 2. भौंचक्का रहना, चकपकाना 3. चौंकना।

चकनाचूर वि. (देश.) 1. जिसके टूट कर अनेक या बहुत से टुकड़े हो गए हों, चूरचूर, खंड-खंड, चूर्णित 2. बहुत थका हुआ।

चकपक वि. (अनु.) भौंचक्का, चकित, स्तंभित, हक्का-बक्का।

चकपकाना अ.क्रि. (अनु.) आश्चर्य से इधर-उधर ताकना, विस्मित होकर चारों ओर देखना।

चकबंदी स्त्री. (देश.+फा.) किसानों की भूमि के कई छोटे-छोटे भागों को एक स्थान पर एक-साथ सम्मिलित करने की क्रिया, जमीन की हदबंदी।

चकबस्त पुं. (देश.) कश्मीरी ब्राह्मणों का एक भेद।

चकमक पुं. (तुर्की-चकमाक) एक प्रकार का सख्त पत्थर जिस पर चोट या रगड़ लगने पर तुरंत आग की चिनगारी निकलती है।

चकमा पुं. (तद्.) 1. भुलावा, धोखा 2. हानि 3. एक बौद्ध धर्मानुयायी कबीला जो पूर्वोत्तर और प्रायः बांग्लादेश में बसा हुआ है मुहा. चकमा खाना- धोखे में आ जाना 3. बबून नामक बंदर की जाति।

चकमाकी स्त्री. (देश.) बंदूक।

चकरवा पुं. (तद्.) 1. चक्कर, फेर 2. कठिन स्थिति 3. बखेड़ा, झगड़ा 4. ऐसी अवस्था जिसमें यह न सूझे कि क्या करना चाहिए; किंकर्तव्यविमूढ़ अवस्था।

चकराई स्त्री. (देश.) चौड़ाई, फैलाव।

चकराना अ.क्रि. (तद्.) 1. सिर घूमना, सिर का चक्कर खाना 2. भ्रमित या भ्रान्त होना, चकित होना, भूलना, आश्चर्य में डालना, चकित रहना।

चकरिया स्त्री. (देश.) नौकरी, चाकरी वि. नौकरी-चाकरी करने वाला, नौकर, चाकर, सेवक।

चकरी स्त्री. (तद्.) चक्की, चक्की का पाट।

चकल पुं. (देश.) 1. किसी पौधे को एक स्थान से दूसरे स्थान पर रोपने या लगाने के लिए मिट्टी सहित उखाड़ने की क्रिया 2. मिट्टी की वह पिंडी जो पौधे को दूसरी जगह लगाने के लिए उखाड़ते समय जड़ के आस-पास लगी रहती है।

चकलई स्त्री. (देश.) चौड़ाई।

चकला पुं. (तद्.) 1. पत्थर या काठ का गोल पाटा जिस पर रोटी बेली जाती है, चौका 2. चक्की 3. देश का एक विभाग जिसमें कई गाँव या नगर होते हैं, इलाका या क्षेत्र 4. व्यभिचारिणी स्त्रियों का अड़ड़ा, वेश्याओं का बाड़ा या मुहल्ला वि. चौड़ा।

चकलाना स.क्रि. (देश.) 1. किसी पौधे को एक स्थान से दूसरे स्थान पर लगाने के लिए मिट्टी सहित उखाड़ना, चकल उठाना अर्थात् जड़ के साथ की मिट्टी सहित उठाना 2. चौड़ा करना।

चकली स्त्री. (देश.) 1. घिरनी, गरारी 2. चंदन घिसने के लिए छोटा चकला वि. चौड़ी।

चकवँड पुं. (तद्.) 1. लगभग डेढ़-दो हाथ ऊँचा एक पौधा, इसकी पत्तियाँ नुकीली और चौड़ी होती हैं, पीले रंग के छोटे-छोटे फूल झड़ जाने पर इसमें पतली लंबी फलियाँ लगती हैं, इसके बीज उड़द के दाने की तरह होते हैं जो स्वाद में कड़वे होते हैं 2. पमार (राजपूतों की एक उपजाति) पुं. (तत्.) कुम्हारों के चाक के पास रखा हुआ जलपात्र